www.esamaad.com

जसमाद
first epaper in maithili
इसमाद

पटना, 9 नवंबर, 2010 • अंक-52 • वर्ष-3

पुरान लक्ष्य लेल नव स्वरूप

ओना त इ अखबार करीब चारि साल स अहां सबहक बीच अछि, मुदा 9 नवंबर एहि अखबार लेल एकटा खास दिन अछि। 9 नवंबर 2009 कए एकर स्वरूप मे बदलाव आयल आ इ डॉट कामॅ बनि अहांक सामने अछि। बदलाव एकटा प्रक्रिया छी जे होइत रहे त नीक, एहि लेल समाद नौ नवंबर स इसमाद क नाम स अहां सबक बीच रहत। नाम मे बदलाव दू कारण स जरूरी भ गल छल। एकटा जे तकनीकी कारण स एकर साइटक नाम इसमाद राखल गेल छल ताहि लेल एकर इपेपर सेहो इसमाद रहबाक मांग उठि रहल छल। दोसर जे पिछला चारि साल मे समाद मैथिली समाचारक एकटा एहन ब्रांड बनि गेल जे कई गोटे एकरा अपना संग जोडि लेलथि। चारि साल पहिने जखन मैथिलीक पहिल इपेपर अपबाक निर्णय लेल गेल त सबस बेसी बहस एकर नाम कए ल कए भेल। मैथिली समाचार लेल लोकक मन मे मिथिला मिहिर क एहन छाप छल जे एकटा पैघ समूह ओहि स मिलैत नाम रखबाक जोर दैल रहल, जखन कि दोसर समूहक कहब छल जे नव नाम स नव लक्ष्य पैबा लेल आगू बढबाक चाही। तखन एकर नाम समाद राखल गेल। संयोग एहन भेल जे एक साल बाद कोलकाता स एकटा मैथिली दैनिक सेहो एहि स मिलैत–जुलैत नाम स बाजार मे आयल। पिछला साल मैथिलीक पहिल चैनल सौभाग्य मिथिला पर समाचार रूपक शुरू भेल, ओकर नाम सेहो समाद राखल गेल। पिछला चारि चाल मे मैथिली समाचार स समाद इ जुडाव मिथिला मिहिरक छाप स मैथिली कए एक प्रकार स अलग करि देलक। आइ तीनू समाद अपन अपन लक्ष्य कए प्राप्त करबा लेल सतत प्रयत्नशील अछि। मुदा एक दोसर स अलग रहबाक कारण कई बेर कई ठाम इ कहबा लेल तैयार रहय पडैत अछि जे ओ समाद नहि इ समाद स हम जुडल छी। एहन मे एकर नाम इसमाद सबस उपयुक्त लागल आ बदलाव क एहि मास मे समाद सेहो अपन नामक आगू इ जोडबाक फैसला लेलक अछि। ओना इसमाद क लक्ष्य मे कोनो बदलाव नहि आयल अछि आ इ एखनो बिहारक विकास लेल जमात तैयार करबाक अपन काज जारी राखत। इसमाद पिछला चारि साल मे बिहारक विकास स जुडल कईटा समाचार आन गोटे स पहिने अहां तक पहुंचेलक। दिसंबर कए इसमाद छपलक जे बिहार क विकास दर देश स आगू भ गेल, जखनकि इ समाचार अन्य अखबार मे जनवरी मास मे आयल। तहिना इसमाद रैयाम चीनी मिलक मालिक स साक्षात्कार ल मिथिल मे कारखाना खुलबाक जयघोष केलक। मधेपुरा रेल कारखानाक संबंध मे सेहो जानकारी देबा मे इसमाद आगू रहल। राजनीतिक ज्ञानक दावा कहियो इसमाद नहि केलक मुदा एहि विधानसभा चुनाव मे करीब दू दर्जन महिला जेना राजनीतिक समाद अहां तक पहुंचेलथि, ओ बिहार नहि बल्कि पूरा देश लेल एकटा प्रयोग छल। आइ बस शंकर मिश्रक शब्द मे एतबे कहि सकैत छी–

बालोहं जगदानन्द नमे बाला सरस्वती।
अपूर्ण पंचमे वर्षे वर्णयामि जगत्त्रयं।।

इसमादक एहि विशेष अंक मे बिहारक संबंध मे चारि गोट आलेख अछि। जे बदलैत बिहारक आवश्यकताक लेल दिशा देबा मे मददगार भ सकैत अछि।

आखिर कहिया धरि मरैत रहत बिहारी

कुमुद सिंह
आशीष झा

नीतीश कुमार अपराधी आ जातिक आधार पर भाषण देबा मे इ बिसरी गेलाह जे राज्यक बाहर केवल बिहारी जाति अछि। जूता स ल कए गोली खेनिहार तक बिहारी होइत अछि न कि भूमिहार या कूर्मी या फेर यादव। लालू आ पासवान कहियो एहि तरहक मुद्दा पर गंभीर नहि भेलाह। हुनका स इ उम्मीद सेहो कियो नहि करैत अछि। जहां तक कांग्रेसक सवाल अछि ओकरा लेल बिहार ओहने राज्य अछि जेहन अमेरिका लेल भारत। कहबाक मतलब इ जे कांग्रेस बिहारक हित तखने साधत जखन बिहार मजबूत होएत। कमजोर आ गरीब बिहार कांग्रेस लेल कहियो गंभीर मुद्दा नहि भ सकैत अछि। देखल जाए त कांग्रेस जाहि राज्य मे सत्ता मे अछि ओहि राज्य मे बिहारी पर सबस बेसी हमला भ रहल अछि।

पिछला एक माह स जातिक आधार पर मतदान करि रहल लोक मे एक बेर फेर बिहारीपन जागि गेल अछि। छठि क मौका पर जखन बिहार मे अपराध बंद रहैत अछि, तखने असम मे एक बेर फेर 30टा बिहारी कए हत्या करि देल गेल। प्रतिबंधित संगठन नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) क सदस्य पिछल तीन दिन मे करीब 30 गोटे कए केवल एहि कारण स मारी देलथि जे ओ नौकरी तकबा लेल असम गेल छलथि। एहि ठाम छिटपुट हमला क दास्तां त काफी लंबा अछि। कई बेर एहि ठाम बिहारी कए गाजर–मूली जेकां काटल गेल अछि। जेकरा मारल गेल, ओकर केवल एकटा दोष छल जे ओ बिहारी छल आ अपन देस से दूर देश मे रोजगार तकबा लेल गेल छल। 10 साल पहिने असम मे अल्फा बिहार क 70टा कामगार कए मौत क घाट उतारि देने छल। ओकर बाद रेलवे क नौकरी क लेल परीक्षा देबा लेल गेल बाहरी आवेदक पर हिंसक हमला भेल। अल्फा बिहारी कए ओहि ठाम स निकलि जेबा लेल कहैत रहल अछि।

एहि घटना स लोक मे आतंक स्वभाविक अछि। सब बेर जेकां एहि बेर सेहो असम क मुख्यमंत्री कठोर कार्रवाई क घोषणा केलथि अछि। एहि हत्या कए कांग्रेस सरकार एक बेर फेर कानून–व्यवस्था क मामला बता कए दबा देबाक प्रयास मे अछि, मुदा एकरा केवल कानून–व्यवस्था स जोड़ल नहि जा सकैत अछि, किया कि एहन घटना कांग्रेस शासित आन राज्य मे सेहो होइत रहल अछि आ आब इ एकटा निश्चित पैटर्न बनी चुकल अछि। कांग्रेस हरदम एहि पर कार्रवाई करबा स पाछु हटैत रहल अछि। किया कि एहन भावना आइ सत्ता क कुंजी बनि चुकल अछि। असम क तरुण गोगोई सरकार सेहो विलासराव, अशोक चव्हाण स अलग नहि छथि। हुनको पर आरोप लगैत रहल अछि जे सरकार एनडीएफबी क गतिविधि क अनदेखी केलथि, जेकर नतीजा आइ बिहरी कए भुगतए पड़ि रहल अछि।

भूमिगत संगठन द्वारा मारल गेल लोक मे ओहन बिहारीक संख्या सेहो काफी अछि जे पिछला तीन पीढी स असम मे रहि रहल छल। ओ मजदूरी करैत छल, खेती करैत छल या फेर अपन छोट–मोट व्यवसाय चलबैत छल। अपन घर स दूर कहुना खा–पी लैत छल। स्थानीय समाज क संग ओ घुल–मिल गेल छल आ एक तरह स वृहत्तर असमिया समाज क अंग बनि चुकल छल। खास गप इ सेहो देखल गेल जे अपना कए बिहारी कहबा स बचबाक बावजूद इ समाज असम क राजनीति मे बहुत कम दिलचस्पी लैत छल आ राजनीतिक अधिकार क बारे मे नहि सोचैत छल। एहि लेल असम मे बिहारी क कोनो वोट बैंक नहि बनि सकल। एहि लेल बिहारीक हत्या क बाद कांग्रेस क सरकार या प्रशासन क स्तर पर कोनो प्रभाव नहि पड़ैत अछि। राजनीतिक स्तर पर हाहाकार नहि मचैत अछि। बिहारी एकटा अनाथ जमात बनल अछि जे कांग्रेस सरकार क रहमोकरम पर जी रहल अछि। राज्य सरकार क सक्रियता तखन सामने अबैत अछि जखन बिहार या झारखंड स कोनो नेताक बयान अबैत अछि। मुदा एहि बेर सब चुप छथि। झारखंड स सालखन मुर्मु कए छोडि कोनो नेता बयान देबा लेल सामने नहि आबि सकला अछि। बिहार मे चुनाव अछि, मुद्दा बहुत अछि मुदा बिहारीपन ककरो लेल मुद्दा नहि अछि। राहुल राज क हत्या कए सब बिसरी गेल। राहुलक हत्या करिनिहार मुंबई पुलिस कए क्लीनचिट देनिहार राकांपाक नेता खुलेआम बिहार मे प्रचार करि रहल छथि, राकांपाक उम्मीदवार सेहो चुनावी मैदान मे छथि। नीतीश कुमार अपराधी आ जातिक आधार पर भाषण देबा मे इ बिसरी गेलाह जे राज्यक बाहर केवल बिहारी जाति अछि। जूता स ल कए गोली खेनिहार तक बिहारी होइत अछि न कि भूमिहार या कूर्मी या फेर यादव। लालू आ पासवान कहियो एहि तरहक मुद्दा पर गंभीर नहि भेलाह। हुनका स इ उम्मीद सेहो कियो नहि करैत अछि। जहां तक कांग्रेसक सवाल अछि ओकरा लेल बिहार ओहने राज्य अछि जेहन अमेरिका लेल भारत। कहबाक मतलब इ जे कांग्रेस बिहारक हित तखने साधत जखन बिहार मजबूत होएत। कमजोर आ गरीब बिहार कांग्रेस लेल कहियो गंभीर मुद्दा नहि भ सकैत अछि। देखल जाए त कांग्रेस जाहि राज्य मे सत्ता मे अछि ओहि राज्य मे बिहारी पर सबस बेसी हमला भ रहल अछि। राहुल गांधी बिहार मे जा कए कहैत छथि जे अगर बिहार विकास कए रहल अछि त लोक बाहर किया जा रहल अछि। राहुल गांधी बिहार क जनता कए एतबा मूर्ख किया बुझैत छथि पता नहि। पलायन त पंजाब स सेहो भ रहल अछि, दुनियाक सब कोन मे पंजाबी बिना पलायन कए पहुंच गेल। राहुल गांधी इ बेता स सेहो कन्नी काटि लैत छथि जे अगर भारत विकास कए रहल अछि त भारतीय ऑस्टेलिया किया जा रहल छथि, जाहि ठाम पीटल जा रहल अछि। कांग्रेस जहिया धरि चाहत बिहारी मरैत रहत आ एकरा एकहि तरह स रोकल जा सकैत अछि आ ओकरा लेल एकटा मजबूत बिहारक निर्माण करए पडत। आशा अछि नीतीश कुमार आ लालू प्रसाद दूनू नेता इ बुझबा लेल तैयार हेता नहि त हम एहिना मरैत रहब।

अपना कए फेर उठेबाक मौका

हरिवंश

अपन समय क सीमा मे भारत क सर्वश्रेष्ट ब्राह्मण नेता चाणक्य छलाह। ओ भारत क प्रथम राष्ट्रनेता छलाह, राजा नहि रहितो। फेर, आगू किशन जी लिखैत छथि चंद्रगुप्त कोनो सामान्य सूझबूझ क आदमी नहि छल, अगर सामान्य सूझबूझ क रहितथि, त एक बेर स्थापित भेलाक बाद संकीर्ण स्वास्थ्य स या चापलूस क कुमंत्रणा क वश मे आबिकए ओ चाणक्य कए मरवा आ भगा देबाक प्रयास करितथि। फेर ओ (चंद्रगुप्त) बिहार क निर्माता नहि भ सकैत छल। इ अछि बिहार क विरासत क पहिल कड़ी।

हिंदी इलाका मे हम बीमारू हालात स निकलि कए बेहतर आ श्रेष्ट बनि जाए, एकर पूरा संभावना अछि। एकरा लेल चाहि समाज क हर क्षेत्र मे श्रेष्ट आ युवा नेतृत्व। आइ जरूरत अछि जे बिहार अपन सुदूर अतीत कए देखए। चर्चिल क सुझाव क तहत, ताकि दूर भविष्य क लेल सबक भेट सकए। की छलहुं, की भ गेलहुं हम, जे चर्चा बिहार क चुनाव मे हेबाक चाही। एहन अनंत प्रसंग जखन भटैत अछि, तखन समाज, मुल्क, राज्य या देश क कायापलट होइत अछि।

आब मिथिले कए ल लियए, गंगा, कोसी, गंडक स घिरल धरती। 700 साल बाद सेहो विद्यापति क रचना स सराबोर आ भिजल धरती। रामवृक्ष बेनीपुरी जी क गप मन पारी , त वैदिक काल क त्रिभुमि (तिरहुत)। पौराणिक काल क जनक क धरती। ऐतिहासिक काल क विदेह आओर लिच्छवी क प्रजातंत्र क क्रीड़ा भूमि। महावीर, गौतम बुद्ध क सघन प्रचार क जगह। एहि तरहे पूरा बिहार क बारे मे अमर्त्य सेन कए मोन पारू, त भारत कए राष्ट्रीयता क सूत्र देनिहार प्रदेश। दार्शनिक, मौलिक चिंतक आ समाजवादी किशन पटनायक क शब्द मे–एखन धरि लिखल गेल इतिहास क अनुसार बिहार लंबा समय तक भारतीय राष्ट्र क ऐतिहासिक अभ्युदय क केंद्र मे रहल। एहन क्रांति आ विद्रोह क उद्गम एहि ठाम स भेल जेकर लक्ष्य मनुष्य समाज कए उदात्त आ मानव कल्याणकारी बनेबाक छल।

चर्चिल विश्वयुद्ध क समय कहने छलाह अतीत कए जेतबा दूर तक पाछु तक देख सकैत छी, देखू, एहि स भविष्य क लेल संदेश भटैत अछि आ बाट सेहो। बिहार, विकास क दृष्टि स सबस पिछड़ा राज्य अछि। हम मानैत छी जे 80 क दशक मे डेमोग्राफर इन चीफ प्रो आशीष बोस हिंदी इलाकस कए बीमारू कहलाह, त एहन मे हमर भूमिका की भ सकैत अछि? भ्रष्टाचार, गवर्नेस, मूल्यहीनता क राजनीति क बीच हम की कए सकैत छी।

आइ पूरा दुनिया मे बहस चलि रहल अछि जे श्रेष्ट शासक (इनलाइटेंड लर्स) केहन हेबाक चाही? ओकरा मे केहन मूल्य हेबाक चाही? ओकर जीवन दर्शन की हेबाक चाही? किशन पटनायक सेहो लिखने छथि चंद्रगुप्त क दरबार मे चाणक्य छलाह, चापलूस क जमात नहि छल। चंद्रगुप्त महान योद्धा छलाह, जे अपन शेष जीवन जैन सन्यासी क तरह बितेलाह (जैन साहित्य क अनुसार)। अशोक युद्ध स मुंह मोड़ि लेलथि आओर बौद्ध भ कए धम्म क संवाहक बनलाह। यानी दूटा महान दार्शनिक आदर्श कए लोक जीवन मे उतारबाक काज एहि वंश क राजा केलथि।

अपन समय क सीमा मे भारत क सर्वश्रेष्ट ब्राह्मण नेता चाणक्य छलाह। ओ भारत क प्रथम राष्ट्रनेता छलाह, राजा नहि रहितो। फेर, आगू किशन जी लिखैत छथि चंद्रगुप्त कोनो सामान्य सूझबूझ क आदमी नहि छल, अगर सामान्य सूझबूझ क रहितथि, त एक बेर स्थापित भेलाक बाद संकीर्ण स्वास्थ्य स या चापलूस क कुमंत्रणा क वश मे आबिकए ओ चाणक्य कए मरवा आ भगा देबाक प्रयास करितथि। फेर ओ (चंद्रगुप्त) बिहार क निर्माता नहि भ सकैत छल। इ अछि बिहार क विरासत क पहिल कड़ी।

कहां अछि एहि चुनाव मे बिहार क विरासत कए स्थापित करबाक गूंज? एक–एक राजनेता स जनता हिसाब लिए। जखन राजनेता धर्म, जाति, समुदाय, क्षेत्र क गप करथि त जनता हुनका स विरासत क हिसाब मांगे। की अहां कए या हमरा पता अछि जे आज दुनिया क पैघ चिंतक आ विचारक कहि आ मानि रहल छथि जे सिकंदर आ हुनकर पिता फिलिप (मकदुनिया) लुटेरा छलाह। ओ दुनिया क आदर्श नहि भ सकैत छथि। इ पश्चिम क ताजा चिंतन अठि। अशोक एखन धरि ज्ञात दुनिया क सबस इनलाइटेन लर्स (सर्वश्रेष्ट, प्रबुद्ध शासक) मानल जा रहल छथि। आब पश्चिम कए अफसोस अछि जे ओकर छात्र अशोक क बारे मे कम जानैत अछि। अमर्त्य सेन अशोक पर जरूर लिखलथि अछि।

दुनिया क एकटा जानल–मानल लेखक मैट रिडले किताब लिखलथि अछि द रेसनल ऑप्टिमिस्ट (हार्पर कॉलिंस 2010)। रिडले मनुष्य क विकासवादी चिंतन क खास अद्येता छथि। ओ लिखलथि अछि जे अशोक कोना मौर्य काल क भारतीय अर्थव्यवस्था कए उदार बनेलाह। दुनिया क लेल खोललाह। श्रेष्ट कर प्रणाली विकसित केलथि। राजसत्ता क ठोस बुनियादी संरचना क नींव रखलथि, ताकि श्रेष्ट ढ़ंग स कारोबार, व्यापार हुए। रिडले ग्लोबलाइजेशन क या ओपेन मार्केट क पक्षधर विचारक मे स अछि, मुदा, 2008 मे ब्रुस रिच एकटा किताब लिखलथि टू अपहोल्ड द वर्ल्ड। हुनकर नव किताब 2010 मे आयल अछि ए कॉल फॉर ए न्यू ग्लोबल इथिक फ्रॉम एनसिएंट इंडिया। एकरा बेकन पब्लिसर छपलक अछि। इ केवल अशोक क बारे मे अछि। ब्रुस पर्यावरणविद छथि। ग्लोबलाइजेशन क आलोचक, वामपंथी विचारक।

यानी दुनिया मे वाम स लकए दक्षिण विचार वाला चिंतक अशोक क गीत गाबि रहल अछि। दुनिया कोना मूल्य स जुडए, नैतिक बनए, श्रेष्ट बनए, एकरा लेल, मुदा बिहार अपन भाग्य लिखए जा रहल अछि आ बिहारी नेता, जे बिहार क भविष्य तय करताह, ओ केकर गीत गाबि रहल छथि? की हमर रहनुमा हमर समाज कए या बिहारी कए नव सपना आ संकल्प दिखौता?

एक बेर फेर बिहार अपन भविष्य तय करै जा रहल अछि। बिहार कए तय करबाक अछि जे ओ इतिहास बनेनिहार बनत या फेर हास्यास्पद या इतिहास क पाद टिप्पणी मे जगह पाउत। बिहार मे भ रहल एहि भविष्य निर्धारक चुनाव मे कतय अछि, सामूहिक संकल्प जगौनिहार अभियान? पैघ सपना क गप? फेर भारत कए नव दिशा देबाक आ नव इतिहास बनेबाक जज्बा? नेता क चिंता परिवार अछि। बेटा, बेटी, सौर–संबंधी। बदबू आबि रहल अछि, एहि राजनीति स। बिहारी पहचान, अपन अतीत स ताकत आ ऊर्जा ल नव बाट पर चलबा लेल नहि देखा रहल अछि कोनो प्रकारक छटपटाहट। हिंदी इलाका मे हम बीमारू हालात स निकलि कए बेहतर आ श्रेष्ट बनि जाए, एकर पूरा संभावना अछि। एकरा लेल चाहि समाज क हर क्षेत्र मे श्रेष्ट आ युवा नेतृत्व। आइ जरूरत अछि जे बिहार अपन सुदूर अतीत कए देखए। चर्चिल क सुझाव क तहत, ताकि दूर भविष्य क लेल सबक भेट सकए। की छलहुं, की भ गेलहुं हम, जे चर्चा बिहार क चुनाव मे हेबाक चाही। एहन अनंत प्रसंग जखन भटैत अछि, तखन समाज, मुल्क, राज्य या देश क कायापलट होइत अछि। कई साल पहिने सिंगापुर शहर मे म्यूजियम देख रहल छलहुं। ली यूआन क्यू केना अपन मुल्क आ शहर बदललाह। ओ मछुआरा क गाम छल। बदबूदार। दुनिया भरि क छंटल आओर गलत धंधा मे लागल लोक क समुद्री पड़ाव। ओहन मरल–निर्जीव शहर आ देश कए ली कोना दुनिया क अलभ्य शहर बना देलथि? ओहि म्यूजियम मे प्रधानमंत्री क रूप मे ली क ओ मशहूर फोटो तसवीर देखलहुं, जखन झाड़ू उठा कए ओ अपने सड़क साफ करैत छलाह। ओ ऑक्सफोर्ड स पढ़ि–लिखि कए लौटल छलाह। हुनका मे जज्बा छल। अपन मुल्क कए दुनिया क सर्वश्रेष्ट मुल्क बनेबाक । दू खंड मे हुनकर आत्मकथा अछि। हमरा सब कए ओ पढ़बाक चाही। हर स्कूल क पाठ्यक्रम मे ऐहन पुस्तक अनिवार्य हेबाक चाही। ली लिखने छथि, जखन अपन देश क पुनर्निर्माण क संकल्प हुनकर मन मे जगल, त ओ भारत कए देखलथि। गांधी आ नेहरू क आभा मे अपन मुल्क कए गढ़ए चाहलाह। पर एहि ठाम आबि कए भारतक कामकाजी संस्कृति देखि निराश भेलाह। सिंगापुर क राष्ट्राध्यक्ष क रूप मे जखन ओ राष्ट्रपति भवन मे ठहरलाह, त भारतीय लोक कए केहन पाउलाह? आला नौकरशाह कोना सिंगापुर दूतावास स उम्दा शराबक बोतल क चाहत रखैत छलाह।

एहिना जखन चीन मे शेंझेन क धरती पर हम पैर रखलहु, त बुझलहु जे मनुष्य क भीतर केतबा संभावना अछि। ओतहि स, 1980 मे चीन कए पलटि देनिहार देंग शियाओ पेंग दुनिया क सर्वश्रेष्ट औद्योगिक हब क नींव रखलथि। ओ सेहो बदबूदार जंगल छल। दलदल जमीन, समुद्री झाड़ी आओर मछुआ क धंधा, नहि सपना, नहि संकल्प।

आइ 30 साल बाद दुनिया क विशेषज्ञ मानैत छथि जे शेंझेन चीन क ग्रोथ एक्सक्लोजन (हैरत मे द दैय वाला विकास) क कारण बनल। आब चीन ओहने एकटा आओर सेंटर ठार क रहल अछि। कोरिया क पोहांग स्टील प्लांट क सेहो एहने कथा अछि। रेत पर ठार स्टील प्लांट। ओकरा लग मे नहि आयरन ओर छल आ नहि अन्य प्राकृतिक संपदा। मुदा पोहांग स्टील प्लांट हॉर्वर्ड मैनेजमेंट स्कूल क केस स्टडी अछि। जे लोक एकरा बनेबाक सपना देखलथि, ओ दुनिया क हर कोन मे दर–दर भटकलथि। विश्व बैंक कहलक, इ परियोजना अनवायबल अछि। एकरा फाइनेंस करबा लेल दुनिया मे कियो तैयार नहि होएत। मुदा जतए सात्विक जिद अछि, ओतहि सपना साकार होइत अछि। हॉर्वर्ड मानलक कि जे बैंकर पोहांग स्टील प्लांट क प्रपोजल कए अनवायबल पेलक। ओ सही छल। मुदा ओ इ बिसरि गेल जे मनुष्य क दुनिया मे असंभव कए संभव करबाक क्षमता सेहो अछि।

आब मिथिले कए ल लियए, गंगा, कोसी, गंडक स घिरल धरती। 700 साल बाद सेहो विद्यापति क रचना स सराबोर आ भिजल धरती। रामवृक्ष बेनीपुरी जी क गप मन पारी , त वैदिक काल क त्रिभुमि (तिरहुत)। पौराणिक काल क जनक क धरती। ऐतिहासिक काल क विदेह आओर लिच्छवी क प्रजातंत्र क क्रीड़ा भूमि। महावीर, गौतम बुद्ध क सघन प्रचार क जगह। एहि तरहे पूरा बिहार क बारे मे अमर्त्य सेन कए मोन पारू, त भारत कए राष्ट्रीयता क सूत्र देनिहार प्रदेश। दार्शनिक, मौलिक चिंतक आ समाजवादी किशन पटनायक क शब्द मे–एखन धरि लिखल गेल इतिहास क अनुसार बिहार लंबा समय तक भारतीय राष्ट्र क ऐतिहासिक अभ्युदय क केंद्र मे रहल। एहन क्रांति आ विद्रोह क उद्गम एहि ठाम स भेल जेकर लक्ष्य मनुष्य समाज कए उदात्त आ मानव कल्याणकारी बनेबाक छल।

महावीर जैन आ गौतम बुद्ध क सघन प्रचार क इ क्षेत्र रहल, बाद मे दुनिया क सर्वश्रेष्ट सम्राट सेहो एहि ठाम भेलाहहिंदी इलाका मे हम बीमारू हालात स निकलि कए बेहतर आ श्रेष्ट बनि जाए, एकर पूरा संभावना अछि। एकरा लेल चाहि समाज क हर क्षेत्र मे श्रेष्ट आ युवा नेतृत्व। आइ जरूरत अछि जे बिहार अपन सुदूर अतीत कए देखए। चर्चिल क सुझाव क तहत, ताकि दूर भविष्य क लेल सबक भेट सकए। की छलहुं, की भ गेलहुं हम, जे चर्चा बिहार क चुनाव मे हेबाक चाही। चंद्रगुप्त मौर्य स अशोक तक क काल भारतीय इतिहास क एकटा एहन कीर्तिमान रहल, जे बिहार राज्य क हमेशा आदर्श बनल रहबाक चाही, मुदा एकर बाद बिहार फिसलि गेल। मध्यकाल या आजादी क दौरान या बाद मे बिहार क विरासत नहि बनि सकल। पुनर्जागरण क कोनो पैघ आंदोलन बिहार मे नहि भेल। समाज सुधार क अभियान नहि चलल। रामकृष्ण या विवेकानंद क आध्यात्मिक विरासत क तेज बिहार तक नहि पहुंचल। आजादी क लड़ाई क दौरान बिहार क धरती चंपारण स एकटा नव आवाज गूंजल। जे अपन समय क सबस पैघ सम्राज्य कए, जेकर राज्य मे सूर्यास्त नहि होइत छल, अस्त करि देलक. सेहो अहिंसक बाट स। सात्विक संकल्प आ कर्मठता स।

प्रभात खबर क प्रधान संपादक हरिवंश क एकटा ज्ञानवर्धक आलेख प्रभात खबर पर छपल छल, ओहि आलेखक अनुवादित आ संपादित अंश समाद पर साभार प्रस्तुत अछि।

बनैत–बिगड़ैत वोट बैंक

सुरेंद्र किशोर

नीतीश कुमार कए लगल जे जखन धरि जातीय वोट बैंक क शिलाखंड नहि टूटत, तखन धरि कोनो सार्थक राजनीति या फेर शासन नीति बिहार मे नहि चलि सकैत अछि। जातीय वोट बैंक क रहैत सरकारी विकास क लाभ सब जाती आ धर्म क लोक कए समान रूप स नहि भेट सकैत अछि।

बिहार मे मंडल आंदोलन क पृष्ठभूमि मे सन् 1990 मे लालू प्रसाद क एकटा मजबूत पिछडा वोट बैंक तैयार भेल छल। काफी समय तक ओहि आधार पर चुनाव होइत रहल। लालू प्रसाद इंदिरा गांधी क वोट बैंक कए बिहार मे तोड़ने छलाह। इंदिरा गांधी क वोट बैंक क आधार पर 1969 स 1990 तक चुनाव भेल छल। सन् '77 जरूर अपवाद अछि।

गत पांच साल मे अपन सरकारी–गैर सरकारी प्रयास स मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लालू क वोट बैंक क शिलाखंड कए एक हद तक तोड़ि देलथि अछि। आइ बिहार विधानसभा क चुनाव आकहि टूटि रहल पुरान जातीय वोट बैंक क पृष्ठभूमि मे नव मुद्दा क आधार पर भ रहल अछि। वोट बैंक क महत्व एखनो मौजूद अछि, मुदा ओकर स्वरूप बदलि चुकल अछि। वोट बैंक क बदलल स्वरूप मे आब विकास आ सुशासन क बेसी आग्रह अछि। इ बिहार क लेल शुभ संकेत अछि।

जातीय आ सांप्रदायिक वोट बैंक क मजबूत पूंजी क बल पर नेता आओर दल निश्चिंत भ कए विकास आ सुशासन स विमुख भ गेलाह त हुनकर वोट बैंक नहि रहल। आब नहि कांग्रेस क महिला, ब्राह्मण, अल्पसंख्यक आ दलित क वोट बैंक रहल आ नहि लालू प्रसाद क पिछड़ा–अल्पसंख्यक वोट बैंक। रामविलास पासवान क दलित वोट बैंक सेहो आब तार–तार भ चुकल अछि। ताहि लेल बदलल राजनीतिक परिस्थिति मे लालू प्रसाद मतदाता स एक बेर फेर इ वायदा क रहल छथि जे ओ सत्ता मे एलाक बाद पुरान गलती कए नहि दोहरेताह यानी ओ विकास करताह आ कुशासन राज नहि चलेताह।

ओ तरह–तरह स सवर्ण नेता कए सेहो गला लगा रहल छथि। एहि स पहिने ओ एकटा मजबूत पिछड़ा वोट बैंक क मालिक हेबाक गुमान मे छलाह आ सवर्ण नेता क सामने झुकबाक जरूरत महसूस नहि करैत छलाह। लालू प्रसाद मीडिया स कहला जे हुनकर राजद आब पहिनेवाला राजद नहि अछि। किछु लोक छल, जे हमर शासन काल मे बदनामी हमर गला डाली देलक। हमर सरकार बनत त आब एहन लोक कए सटए नहि देब, मुदा बिहार क राजनीति क जानकारी कहैत छथि जे जखन–जखन लालू प्रसाद चुनाव हारैत छथि, त कहैत छथि जे आब ओ एहन गलती नहि करताह। चुनाव जीतलाक बाद फेर ओहने लोकक संग भजाइत छथि। कमोबेश एहने हाल रामविलास पासवान क सेहो अछि। बिहार कांग्रेस घोषणा केलक अछि जे ओ आब अति पिछड़ा कए तरजीह देत यानी बिहार मे राजनीति क एजेंडा बदलि गेल अछि।

सन् 2005 क बिहार विधान सभा चुनाव मे जतए एनडीए क नारा छल न्याय क संग विकास, ओतहि लालू प्रसाद आ रामविलास पासवान क मुख्य जोर सांप्रदायिक तत्व क विनाश पर छल। एतबा धरि जे लोजपा नेता रामविलास पासवान 2005 क मार्च मे राजद स मिली कए सरकार एहि लेल नहि बनेलाह जे राजद मुस्लिम मुख्यमंत्री क प्रस्ताव कए ठुकरा देलक। आब रामविलास पासवान मुस्लिम मुख्यमंत्री क आग्रह छोड़िकए इ घोषणा करि देलाह जे यदि राजद –लोजपा गठबंधन सत्ता मे आयल त लालू प्रसाद मुख्यमंत्री आ उप मुख्यमंत्री हुनक भाई पशुपति कुमार पारस हेताह। दरअसल, मुख्यमंत्री आ उप मुख्यमंत्री पद क उम्मीदवार क घोषणा क पाछु कम स कम यादव आ दलित वोट बैंक कए बचा लेबाक मंशा अछि।

मुख्यमंत्री क उम्मीदवार क रूप मे लालू प्रसाद आ नीतीश कुमार आब आमने–सामने छथि। एहि लेल मतदाता क दुविधा समाप्त भ चुकल अछि। दूनू नेता क कामकाज लोक क सामने अछि। नीतीश कुमार सन् 2005 मे जखन सत्ता पर काबिज भेलाह, तखने स ओ जातीय वोट बैंक कए तोड़बा क कोशिश मे लागी गेलाह।

नीतीश कुमार कए लगल जे जखन धरि जातीय वोट बैंक क शिलाखंड नहि टूटत, तखन धरि कोनो सार्थक राजनीति या फेर शासन नीति बिहार मे नहि चलि सकैत अछि। जातीय वोट बैंक क रहैत सरकारी विकास क लाभ सब जाती आ धर्म क लोक कए समान रूप स नहि भेट सकैत अछि।

पहिने इ होइत छल जे नेता आ दल बनेलक त पैघ जातीय आ सांप्रदायिक वोट बैंक, मुदा थोड़ बहुत सरकारी लाभ पहुंचेलक त सिर्फ अपन जातीय समूह कए। भावनात्मक नारा क कारण जातीय वोट बैंक मे शामिल अन्य मतदाता अपन आराध्य नेता क संग नहि छोड़लथि।

नेता निश्चिंत भ सिर्फ राज भोगलक आ आम जन क कए कहे, अपन वोट बैंक मे शामिल विभिन्न जातीय आ धार्मिक समूह क कल्याण क सेहो ध्यान नहि राखल गेल। बिहार पिछड़ैत चल गेल। अपन वोट बैंक कए नेता स्थायी बुझि गलती केलथि। एहि गलती पर आब ओ पचता रहल छथि, मुदा आब देर भ चुकल अछि, किया जे एहि बीच नीतीश कुमार एकटा पैघ लकीर खींच देलथि अछि।

सत्ता मे एलाक बाद नीतीश कुमार तरह–तरह स उपेक्षित अति पिछड़ल जिनकर आबादी बिहार क कुल आबादी क करीब 32 प्रतिशत अछि, कए राजनीतिक आ आर्थिक विकास क लेल कईटा डेग उठेलाह । संगहि नीतीश सरकार द्वारा गठित महादलित आयोग इ रपट देलक जे बिहार क दलित मे महादलित वर्ग सेहो अछि, जेकर आबादी कुल दलित मे 31 प्रतिशत अछि।

एहि मे एकोटा आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर या इंजीनियर नहि अछि। बाद मे किछु अन्य दलित जाति कए सेहो महादलित मे नीतीश सरकार शामिल केलक। ओकर विकास आ कल्याण क लेल विशेष कार्यक्रम चलेलाह। एहि तरह स दलित वोट बैंक सेहो टूटल। एहि तरह स अति पिछड़ा क लेल पंचायत आ नगर निकाय मे आरक्षण क प्रावधान करि आ किछु दोसर कल्याणकारी काज क कारण लालू प्रसाद क पिछड़ा वोट बैंक सेहो आब ध्वस्त भ चुकल अछि। एहि लेल लालू प्रसाद कीमत चुकाकए रामविलास पासवान स चुनावी समझौता क लेल मजबूर भ गेलथि अछि।

संकेत अछि जे जातीय वोट बैंक क राजनीति आब बिहार मे निर्णायक नहि रहल। एकर एकटा झलक 2009 क लोकसभा चुनाव मे सेहो बिहार मे भेटल छल, जखन एनडीए कए कुल 40 मे स लोक सभा क 32टा सीट भेटल छल। गत साल सितंबर मे भेल बिहार विधान सभा क उपचुनाव मे जरूर एनडीए उम्मीदवार बुरी तरह स हारि गेलाह, मुदा ओ चुनाव एकटा विशेष तनावपूर्ण स्थिति मे भेल छल, मुदा ओ स्थिति आब नहि अछि। एखन धरि भेट रहल संकेत स इ साफ भ रहल अछि जे विधानसभा चुनाव मे विकास, कानून व्यवस्था, सुशासन आ समरस समाज महत्वपूर्ण मुद्दा रहत।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार छथि

लोहियाक चेला क राज मे 'लाल' क जलवा

सुशांत झा

बिहार चुनाव मे एहि बेर 'लाल' क चांदी अछि। ओना त एहि बेर इ नहि पहिल बेर भ रहल अछि आ नहि आखरि बेर। मुदा जे पार्टी एहि गप पर गर्व करैत छल जे हुनकर पार्टी मे पारिवारिक संपर्क क आधार पर टिकट नहि बांटल जाइत अछि ओ सेहो एहि मे पाछु नहि रहलाह। गप करि नीतीश कुमार क जेडी–यू क, त हुनकर लिस्ट मे दूटा पूर्व मुख्यमंत्री–जगन्नाथ मिश्र आ राम सुंदर दास क दुलारूआ क नाम अहम अछि। ओना त जगन्नाथ मिश्र क बेटा पहिने सेहो एहि पार्टी स विधायक रहि चुकल छथि। नीतीश मिश्र कए फेर स झंझारपुर स टिकट देल गेल अछि, जखकि रामसुंदर दास क बेटा संजय कुमार कए राजपाकड़ विधानसभा सीट स उम्मीदवार बनाउल गेल अछि। जेडीयू जहानाबाद क सांसद जगदीश शर्मा क बेटा राहुल शर्मा कए घोसी स टिकट देलक अछि। घोसी ओ सीट अछि जतए स शर्मा खानदान 1977 स लगातार जीत रहल अछि। पिछला लोकसभा मे चुनल गेलाक बाद जगदीश शर्मा अपन कनिया कए ओहि ठाम स निर्दलीय जितवा देलथि। नीतीश कुमार, एहि ताकतवर क्षत्रप क दुस्साहस पर किछु नहि करि सकलाह। आब हुनकर बेटा कए टिकट देल गेल अछि। नीतीश सरकार क दोसर कद्दावर मंत्री नरेंद्र सिंह क बेटा अजय प्रताप सिंह कए जमुई स जेडी–यू टिकट भेटल अछि। एहि स पहिने अजय क भाई अभय प्रताप सिंह ओहि ठाम स विधायक छलाह, जे अपन पुत्री आ कनिया क हत्या क बाद आत्महत्या करि लेलथि। जेडी–यू तस्लीमुद्दीन क सुपुत्र सरफराज आलम कए जोकीहाट स टिकट देलक अछि, जे पिछला बेर आरजेडी क टिकट पर मैदान मे उतरल छलाह।

गौर करि जे पार्टी अपन सुशासन आ अपराध–मुक्त छवि कए ताक पर राखि किछु अपराधी क भाई आ कनिया कए टिकट सेहो देलक अछि। तकनीकी तौर पर एहि मे कोनो दोष नहि, मुदा व्यावहारिक गन सब जानैत छी। पार्टी कईटा आपराधिक मामला मे फंसल विधायक शशि कुमार राय क भाई नंद कुमार राय कए बरुराज स टिकट देलक अछि त फुलपरास स हत्या क आरोपी पूर्व विधायक देवनाथ यादव क पत्नी गुलजार देवी कए टिकट देलक अछि। ओना जेडी–यू एकटा मामला मे सचमुच अलग पार्टी लगैत अछि जे इ बेटा त बेटा, नेता क बाप कए सेहो टिकट देलक अछि। पार्टी लोकसभा सांसद महेश्वर हजारी क पिता रामसेवक हजारी कए टिकट देलक अछि, त सांसद विश्वमोहन शर्मा क पत्नी सुजाता देवी सेहो टिकट क लिस्ट मे छथि।

जेडी–यू पूर्व नौकरशाह आ सांसद रहल सैयद शहाबुद्दीन क बेटी परवीन अम्मानुल्लाह कए साहिबपुर कमल स टिकट देलक अछि। परवीन क पति अफजल अम्मानुल्लाह आईएएस छथि आ नीतीश सरकार मे गृह सचिव क ओहदा सम्हारि चुकल छथि। कहल जाइत अछि जे अम्मानुल्लाह ओ अधिकारी छथि जे रथयात्रा क दौरान आडवाणी क गिरफ्तारी मे अहम भूमिका निभेलथि। परवीन सेहो गुजरात मसला पर भाजपा क घनघोर आलोचना करि चुकल छथि आ हुनकर पिता सैयद शहाबुद्दीन त बाबरी मस्जिद आन्दोलन क सूत्रधार मे रहल छथि। मुदा परवीन आइ राजग क उम्मीदवार छथि, भाजपा क तारीफ सेहो करि रहल छथि।

हालांकि पार्टी क आन्तरिक समीकरण क वजह स जेडी–यू मुजफ्फरपुर क कद्दावर सांसद कैप्टन जयनारायण निषाद क लाल कए टिकट नहि देलक। दोसर दिस गोपालगंज क सांसद पूर्णमासी राम क बेटा विजय कुमार राम कए सेहो टिकट नहि देल गेल। विजय कुमार राम कांग्रेस मे जुगाड़ लगेलथि आ हरसिधी स टिकट पाबि लेलथि। जखन कि कांग्रेस निषाद क पुतहु कए हाजीपुर स टिकट देलक अछि।

एहि बेर एहन खूब देखल जा रहल अछि जे पिता जेडी–यू या आरजेडी मे जुगाड़ नहि लगा पौलथि त पुत्र विपक्षी पार्टी स टिकट झपट लेलक। आब एहने उदाहरण अछि सांसद महाबली सिंह आ जगदानंद सिंह क बेटा क। जेडी–यू सांसद महाबली सिंह क बेटा कए आरजेडी टिकट देलक अछि, त आरजेडी क कद्दावर सांसद जगदानंद क बेटा बीजेपी स बक्सर सीट क लेल उम्मीदवार बनि गेलथि अछि।

आरजेडी सेहो नेताक पुत्रों कए खूब तरजीह देलक अछि। लालू क खास रहल रघुनाथ झा क बेटा अजीत झा कए आरजेडी फेर शिवहर स उम्मीदवार बनेलक अछि। पूर्व मंत्री सीताराम सिंह क बेटा राणा रणधीर कए आरजेडी मधुबन सीट पर टिकट देलक अछि। दरभंगा क पूर्व सांसद अली अशरफ फातमी क बेटा फराज फातमी कए राजद केवटी स टिकट देलक अछि।

लोजपा सुप्रीमो रामविलास पासवान क दूटा भाई मैदान मे छथि। पूर्व सांसद रामचंद्र पासवान आ पशुपति पारस दूनू विधायक बनबा लेल ताल ठोकि रहल छथि। रामचंद्र पासवान कुशेश्वर स्थान स मैदान मे छथि जखन कि पारस अलौली स। पासवान क एकटा संबंधी सरिता देवी सोनबरसा स टिकट लेलथि अछि। लोजपा क राज्यसभा सांसद साबिर अली क पत्नी यास्मीन अली, नरकटिया गंज स टिकट लेलथि अछि, त पार्टी क उपाध्यक्ष सुरजभान सिंह क सार रमेश सिंह विभूतिपुर स मैदान मे छथि। लोजपा गोविंदगंज स राजू तिवारी कए मैदान मे उतारक अछि जिनकर भाई राजन तिवारी हत्या क आरोप मे जेल मे बंद छथि।

बिहार चुनाव मे राजनीतिक दल क उम्मीदवार क लिस्ट देखिकए लगैत अछि जे लोहिया क शिष्यसब जमिकए खानदानवाद क पैरवी केलक अछि। नीतीश कुमार कई बेर इ इम्प्रेशन देबाक कोशिश केलथि जे हुनकर पार्टी मे परिवार क आधार पर टिकट नहि बांटल जाइत, मुदा इ गप एहि बेर हवाई साबित भेल। लालू आ पासवान त कहियो एहन वादे नहि केलथि। कुल मिलाकए, कुलीन क कुनबा बढ़े वाला अछि।

अंक- 52, साल-3, इसमाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com